

61 हज़ार बेटियों को मल्लिगा 'नंदा गौरा योजना' का लाभ

चर्चा में क्यों?

15 जून, 2022 को उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि राज्य सरकार ने 'नंदा गौरा योजना' का लाभ देने के लिये बजट में 500 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है।

प्रमुख बदि

- इससे वर्ष 2022-23 के लिये राज्य के गरीब परिवारों की 61 हज़ार से अधिक बेटियों को 'नंदा गौरा योजना' का लाभ मलि सकेगा। योजना के माध्यम से सामान्य श्रेणी से लेकर अनुसूचति जाती, अनुसूचति जनजात एवं अन्य पछिड़ा वर्ग से आने वाली बेटियों के जन्म पर 11 हज़ार और इंटर पास करने पर 51 हज़ार की धनराशा दी जाती है, ताकि बेटियों इंटर पास करने के बाद आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।
- इस कल्याणकारी योजना में बजट की कमी के चलते वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक गरीब परिवारों की 61,890 बेटियों को 'नंदा गौरा योजना' का लाभ नहीं मलि पाया। वभिाग की ओर से वर्ष 2019-20 में 1421 बेटियों को, वर्ष 2020-21 में 16,336 एवं वर्ष 2021-22 में 44,133 बेटियों को योजना का लाभ नहीं मलि।
- वभिाग की एक रपौर्ट के मुताबकि वर्ष 2019-20 में 27,239 वर्ष 2020-21 में मात्र 31,043 बेटियों को योजना के तहत मलिने वाली आर्थिक सहायता दी गई है, जबकि वर्ष 2021-22 में एक भी पात्र बेटी को योजना का लाभ नहीं मलि।
- वभिागीय अधिकारियों के मुताबकि बेटियों को योजना का लाभ मलि सके, इसके लिये सरकार से 375 करोड़ रुपए की मांग की गई थी, लेकिन इसके वपिरीत मात्र 60 करोड़ रुपए मलि।